५०२/२३५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग परिचय - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आज से तुम्हें ज्ञान सिद्ध हो गया है ।'' (८९)

२. ''जब कभी तुम्हें कठिनाई आए, तब स्वामिनारायण का स्मरण करना ।'' (११)

३. ''ध्यान रखना कि मन्दिर छोटा ही हो ।'' (२५)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. कुशलकुंवरबा के हृदय में अपार शांति हो गई । (८०)

२. हवेली में सभा में बैठे हुए हरिभक्त को आश्चर्य हुआ । (१०१)

३. राजकुमार ने नेत्र बंद कर लिये । (१६)

प्र.३ 'कुसंग' (४४-४५) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. किस धर्म के आचरण से मोक्ष होता है ? (९४)

२. सारंगपुर मन्दिर के लिए किस ने कितनी ज़मीन दी ? (३०)

३. मोटा रामबाई कौन-से गाँव के थे और किस की पुत्री थी ? (२)

४. श्रीजीमहाराज ने हिमराज शाह के तीनों पुत्रों तथा भतीजे को प्रसादी के रूप में क्या क्या दिया ? (५२)

५. नियमों का पालन दृढ़ता से करने से क्या होता है ? (७३)

प्र.५ 'विषय के मार्ग में.....' (९०-९१) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. मोटा मुनिवर ..... करी संभारे । (६३)

२. पवित्र देहे ..... मुखथी कहेतां । (१५)

३. शरणागतपाप ..... भजे सदा ॥ (३५)

४. ध्यायतो विषयान्पुंसः ..... क्रोधोऽभिजायते ॥ (९८) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''उसने किसीका क्या बिगाड़ा था जो उसे सत्संग से बाहर निकाला गया ?'' (३३)

२. ''काम करते जाओ और भगवान को भजते जाओ ।'' (५१)

३. ''जिसका अपनी सभी इन्द्रियों पर नियन्त्रण हो और जो स्वयं को पूर्ण रूप से मुझे समर्पित करने को तैयार हो ।'' (७)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. गुणातीतानंद स्वामी ने कहा, ''प्रागजी तो शुद्ध हृदय है ।'' (२०)

२. कमा सेठ ने प्रागजी भक्त से क्षमा माँगी और धोती ओढ़ाई । (२६-२७)

३. भगतजी के शिष्य-संतों को सत्संग से निष्कासित करवा दिया । (४०)

प्र.९ 'शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया ।' (३७-३८) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. अन्तिम रुग्ण समय पर भगतजी ने किसको कहाँ आने के लिए मना कर दिया ? (६१)

२. बालमुकुन्ददास स्वामी ने डा. उमियाशंकर को भगतजी के बारे में क्या कहा ? (५७)

३. चूना बनाने के लिए क्यों कोई भी सामने नहीं आया ? (११)

४. वड़ोदरा के हरिभक्तों को गोपालानन्द स्वामी ने क्या कहा ? (५)

५. गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को दिया हुआ वचन कितने वर्ष के बाद पूरा किया ? (२२)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान । (५७)

(१) ☐ सं. १९५३ जन्माष्टमी

(२) ☐ कृष्णजी अदा और भगतजी एक दूसरे के आसन पर जाते और कथावार्ता करते ।

(३) ☐ यज्ञपुरुषदासजी ने आचार्य महाराज से आग्रह कर आज्ञा पत्र लिखवाया ।

(४) ☐ मानस ग्रंथियों का खुलना सरल है ।

२. प्रागजी भक्त का बाल्यकाल । (१)

(१) ☐ जन्म : फाल्गुन पूर्णिमा, सं. १८८६ (२) ☐ प्रागजी भक्त प्रतिदिन हनुमानजी की पूजा करते थे ।

(३) ☐ पिता का नाम गोविंद भगत । (४) ☐ योगेश्वरानंद स्वामी ने प्रागजी भक्त को वर्तमान धारण करवाकर सत्संगी बनाया ।

३. संतत्व की कला जिसने सीख ली । (१७)

(१) ☐ वह भगवान से दूर नहीं हैं । (२) ☐ ऐसा भक्त अनन्त जीवों के दु:खों को दूर करने में सहायता करता है ।

(३) ☐ पंच-इन्द्रियों के विषयों को जीत लेते हैं । (४) ☐ अपने में संयुक्त कर देता है ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणिलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **साक्षात्कार :** नौवें दिन रात्रि को ध्यान में अतिशय प्रकाश दिखाई दिया । उसमें से श्रीजीमहाराज की दिव्य सौम्य मूर्ति के दर्शन हुए। श्रीजीमहाराज ने श्वेत वस्त्र धारण कर रखे थे । (२०)

२. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** गणोद में आश्विन शुक्ला १५ को रात्रि पौने एक बजे अपनी इच्छा से देह छोड़कर स्वामी अक्षरधाम में श्रीजीमहाराज की सेवा में चले गए । (३३-३४)

३. **अक्षर के ज्ञान का उद्घोष :** गढ़डा के बावा खाचर ने स्वामी से कहा कि ''मुझे लड़ाई के स्वप्न आते हैं । तब स्वामी ने उनसे अपने साथ जूनागढ़ चलने के लिए कहा ।'' (२५)

४. **सत्संग में पुनः प्रवेश :** गढ़डा में हरिकृष्ण महाराज की मूर्ति ने अहमदाबाद के कोठारी गोवर्धनभाई के भतीजे बेचर भगत को प्रागजी भक्त परम एकांतिक भक्त है ऐसी पहचान करवाई । (३४)

५. **भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व :** बहुत सारे गृहस्थ जो भगतजी के सम्पर्क में आए, भगतजी उन्हें भागवत् धर्म के सिद्धांत के पालन की प्रेरणा देते । इस प्रकार से उन्हें निर्वासनिक बनने की प्रेरणा मिली । (५१)

६. **अंतीम लीला :** हज़ारों हरिभक्तों की उपस्थिति में भगतजी महाराज के पंचभौतिक शरीर का अग्नि संस्कार विधिपूर्वक शेत्रुंजी नदी के तट पर मूलचंद सेठ की बाड़ी में किया गया । (६२)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm